281
15.5.07

न्यास विलेख
आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी गणेशानन्द महाराज
धर्मार्थ न्यास
गठन, उद्देश्य व नियम

आज दिनांक ....15-5-2007.... को आचार्य महामण्डनलेश्वर स्वामी गणेशानन्द महाराज, आयु लगभग 105 वर्ष, निवासी उचाना, जिला जींद हरियाणा, लोकोपरिक, सार्वजनिक कल्याणकारी उद्देश्य से जन साधारण के हिताय एक धर्मार्थ न्यास का गठन करते हैं, जहां से जन साधारण के उत्थान व विकास के लिए कार्य किए जा सके तथा अपने स्वामित्व में संचालित संस्थाओं के संचालन जो या तो उनके द्वारा स्थापित की गई हैं या जिन पर वो गद्दी के रूप में विराजमान हैं और जिनका विस्तृत वर्णन व सूची सहित इस न्यास विलेख के साथ संलग्न परिशिष्ट में दिया गया है, जो परिशिष्ट इस न्यास विलेख का ही भाग समझा जायेगा, जिनका स्वामित्व आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी गणेशानन्द महाराज धर्मार्थ न्यास के गठन हेतु, इसमें स्थानान्तरित करते हैं। न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी गणेशानन्द महाराज रूपये 25,00,000/- (अक्षरे पच्चीस लाख रूपये) की राशि दान स्वरूप उपलब्ध कराते हैं जिसका मुख्य रूप से उपयोग गौशाला, उचाना में किया जाएगा।

1. परिभाषायें:

1.1 न्यास का अर्थ सम्पूर्ण न्यासियों से गठित, आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी गणेशानन्द महाराज धर्मार्थ न्यास से होगा।

स्वामी गणेशानन्द गिरि